भारत की सभी समस्याओं का अन्त

सिस्टम चेन्ज

श्री बृम्हांड नायक चंरण वंदना

पुलिस का 3Rd डिग्री टार्चर

समस्या पुलिस का 3Rd डिग्री टार्चर

1. आज हमारे भारत में । सच और झूठ का फैसला । अदालत मे होता है ।
2. लेकिन उसके पहले पुलिस । मुजरिम से सच्चाई उगलवाने के लिए । 3Rd डिग्री टार्चर तक का । सहारा लेती है ।
3. जो कुछ केसों मे । गलत हो जाता है ।
4. मुजरिम पुलिस की मार से । बचने के लिए । पुलिस । जैसा मुजरिम से बुलवाती है । वैसा मुजरिम बोलता है ।
5. फिर मुजरिम । अदालत मे आकर बदल जाता है ।
6. और अदालत मे भी । वकीलों व्दारा । सच्चे झूठे गवाहों व्दारा । सच्चे झूठे सबूतो व्दारा । अदालत के फैसले को । गुमराह किया जाता है ।
7. तब झूठ चापलूसी से । झूठे गवाहो को । रिस्वत से खडा कर के ।
8. रिस्वत देकर । बनाई गई रिपोर्टों के आधार पर । य कई सबूत जो रिस्वत देकर बनाये जाते है । य जान से मारने की धमकी देकर । य धन से । जज को प्रभावित कर के ।
9. झूठ जीत जाता है । और सच्चाई पराजित हो जाती है ।
10. पुलिस के 3Rd डिग्री टार्चर से । व्यक्ति के शरीर मे । अन्दरूनी चोट लगती है । जिससे समय समय पर व्यक्ति को । तकलीफ का सामना करना पडता है ।
11. अदालत मे मुजरिम के बदल जाने से । पुलिस को जज की फटकार । और सीनियर की डाँट सुननी पडती है ।

निर्दोश नागरिक

1. लेखक विश्व के । य भारत के । किसी भी नागरिक को । दोशी नही मानता है ।
2. चाहे । सताधारी नेता । विपक्ष नेता । सहयोगी नेता । य छोटे बडे नेताओं । उच्च न्ययाधीश । से चपरासी तक । जल । थल । वायु । तीनो सेना । तीनो सेनाओं के अध्यक्ष रास्ट्रपती । से कांसटेबल तक । सत्ता रूढ पार्टी के । पी एम से लेकर । नगर सेवक । प्रधान तक । छोटे । य बडे व्यापारी तक । हर सरकारी । य प्राइवेट कर्मचारी को । सरकारी य प्राइवेट डाक्टर । सरकारी य प्राइवेट वकील । सरकारी य प्राइवेट इन्जीनियर । सरकारी य प्राईवेट आर्कीटेक्ट । चार्टेटेड एकाउन्टेड सी ए । छोटे किसान से लेकर । बडे किसान तक । भिखारी । से लेकर पूंजीपती तक । य अन्य किसी भी नागरिक को । किसी को भी दोशी नही मानता है ।
3. हर नागरिक । देश भक्त है । सभी नागरिक । टैक्स देकर । देश को चलाने मे मदद करते है ।
4. दोश सिर्फ । धन की । स्वेच्छिक आजादी का है । सिस्टम खराब है । सिस्टम मे दोश है ।

मेरा भारत महान

Copy Right Diary Number 3968/2015-CO/L

5. सिस्टम दोशी होने के कारण । विश्व का हर नागरिक । न चाहते हुए भी । मजबूरी मे । खराब सिस्टम मे फँसता है । और पिसता है । और गलत बन जाता है ।
6. लेखक । भारत सरकार को भी । दोशी नही मानता है । भारत सरकार भी । बिगडे हुए सिस्टम का एक हिस्सा है । इसीलिए । भारत सरकार का भी । कहीं कोई । दोश नही है ।
7. आज विश्व मे । हमारी मेहनत की कमाई । जिसके भी हाँथ मे । चली जाये । वही व्यक्ति । उस धन का । मालिक बन जाता है ।
8. जीसियो नियम से । हमारे मेहनत की कमाई । हमारे अलावा । विश्व का । कोई भी व्यक्ति उपयोग । नही कर सकता ।
9. आज धन । जिसके हाँथ मे होता है । वही उस धन का । मालिक होता है ।
10. इसीलिए लेखक । विश्व के । किसी भी नागरिक को । दोशी नही मानता है । सिर्फ । सिस्टम को दोशी मानता है ।
11. यदि । किसी समूह के बारे मे । य भारत सरकार के बारे मे । लिखा गया है । तो सिर्फ । समस्या को । उजागर करने के उद्देश्य से । लिखा गया है ।
12. किसी को भी । दोशी बनाने के उददेश्य से । नही लिखा गया है ।
13. फिर भी यदि । किसी भी समूह को । य भारत सरकार को । बुरा लगे तो । लेखक को माफ करना ।
14. क्योंकि समस्योंओं को । उजागर करना जरूरी है ।
15. जीसियो नियम व्दारा । सिस्टम को सही करने से । विश्व का । प्रत्येक नागरिक सही रहेगा । और । राहत की साँस लेगा ।
16. लेखक । भारत सरकार को भी । दोशी नही ठहराता । क्योंकि सिस्टम खराब है ।
17. लेखक का । भारत सरकार से अनुरोध है । कि सिस्टम को सही करके । विश्व अग्रणी होने की तरफ । पहला कदम उठाये ।

जीसियो नियम से समाधान उपाय

1. कार्ड के आ जाने से । व्यक्ति के हर लेन देन । व्यव्हार की जानकारी । कार्डो मे अंकित रहेगी ।
2. उसी आधार पर । पुलिस मुजरिम को अदालत मे पेश करेगी ।
3. और उसी आधार पर । मुजरिम का अदालत मे फैसला होगा ।
4. पुलिस व्दारा । किसी भी व्यक्ति को । 3Rd डिग्री टार्चर नही दिया जायेगा ।
5. जीसियो नियम से । अब पुलिस को । जज की फटकार । और सीनियर की डाँट । नही सुननी पडेगी ।

जय विश्व अग्रणी भारत की

मेरा भारत बलवान

Copy Right Diary Number 3968/2015-CO/L